देश में प्रदेश की स्थिति

वर्ष 2015–16 में देश के भूमि उपयोगिता के आंकड़ो का प्रदेश के वर्ष 2018–19 के भूमि उपयोगिता के आंकड़ो से तुलना करने पर देश का सम्पूर्ण भौगोलिक क्षेत्रफल 328726 हजार हेक्टेयर है, जिसमें उत्तराखण्ड राज्य का भौगोलिक क्षेत्रफल 5348 हजार हे0 है, जो देश के सम्पूर्ण क्षेत्रफल का 1.63% है। क्षेत्रफल की दृष्टि से उत्तराखण्ड का देश में उन्नीसवॉ स्थान हैं। देश के भूमि उपयोगिता के लिए प्रतिवेदित क्षेत्रफल 307752 हजार हे0 है, जिसमें उत्तराखण्ड राज्य का प्रतिवेदित क्षेत्रफल 6001 हजार हे0 (1.95%) है। प्रतिवेदित क्षेत्रफल की दृष्टि से उत्तराखण्ड का देश में सत्रहवॉ स्थान हैं। देश में 71866 हजार हे0 वन क्षेत्र है, जिसमें से 3811 हजार हे0 (5.30%) वन क्षेत्र उत्तराखण्ड राज्य में हैं तथा वन क्षेत्र के आधार पर देश में छठवॉ स्थान हैं। देश में वास्तविक बोया गया क्षेत्रफल 139506 हजार हे0 है, जिसमें से 647 हजार हे0 (0.46%) उत्तराखण्ड राज्य में हैं। देश में कुल वास्तविक सिचिंत क्षेत्रफल 67300 हजार हे0 है, जिसमें से 322 हजार हे0 (0.48%) उत्तराखण्ड राज्य में हैं। वास्तविक सिचिंत क्षेत्रफल की दृष्टि से उत्तराखण्ड का देश में अठारहवॉ स्थान हैं। देश की फसल सघनता प्रतिशत 141.25 है, जबकि उत्तराखण्ड राज्य की फसल सघनता 158.95 प्रतिशत है।

(स्त्रोत : एग्रीकल्चर स्टैटिस्टिक्स एट ए ग्लॉन्स, 2018)

पर्वतीय प्रदेशों में उत्तराखण्ड की स्थिति

वर्ष 2015–16 में देश के पर्वतीय राज्यों यथा जम्मू एवं कश्मीर, हिमांचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, अरूणांचल प्रदेश, मेघालय, नागालैण्ड एवं सिक्किम के भौगोलिक क्षेत्रफल के क्रम में उत्तराखण्ड का चौथा स्थान है। देश के पर्वतीय राज्यों में भूमि उपयोगिता के लिए प्रतिवेदित क्षेत्रफल के क्रम में उत्तराखण्ड राज्य का दूसरा स्थान हैं, जबकि प्रथम स्थान अरूणांचल प्रदेश का है। देश के पर्वतीय राज्यों में वन क्षेत्रफल के क्रम में उत्तराखण्ड राज्य का दूसरा स्थान हैं, जबकि प्रथम स्थान अरूणांचल प्रदेश का है। देश के पर्वतीय राज्यों में वास्तविक बोया गया क्षेत्रफल एवं वास्वविक सिंचित क्षेत्रफल के क्रम में उत्तराखण्ड राज्य का दूसरा स्थान हैं, जबकि प्रथम स्थान जम्मू एवं कश्मीर का है। देश के समस्त पर्वतीय राज्यों की फसल सघनता के क्रम में उत्तराखण्ड राज्य का तीसरा स्थान है, जबकि प्रथम एवं द्वितीय स्थान पर क्रमशः सिक्किम एवं हिमांचल प्रदेश हैं।

देश के उत्पादन में प्रदेश की स्थिति

वर्ष 2017–18 में देश में फसल चावल का उत्पादन 1127.58 लाख मी.टन रहा। राज्य में फसल चावल का उत्पादन 6.65 लाख मी.टन रहा, जो देश के कुल उत्पादन का 0.59 प्रतिशत है। देश में फसल मण्डुवा का उत्पादन 19.85 लाख मी.टन रहा। राज्य में फसल मण्डुवा का उत्पादन 1.39 लाख मी.टन रहा, जो देश के कुल उत्पादन का 6.99 प्रतिशत है। देश में फसल गेहूं का उत्पादन 998.70 लाख मी.टन रहा। राज्य में फसल गेहूं का उत्पादन 9. 30 लाख मी.टन रहा, जो देश के कुल उत्पादन का 0.93 प्रतिशत है। देश में फसल जौ का उत्पादन 17.81 लाख मी.टन रहा। राज्य में फसल जौ का उत्पादन 0.25 लाख मी.टन रहा, जो देश के कुल उत्पादन का 1.43 प्रतिशत है। देश में धान्य का उत्पादन 2595.97 लाख मी.टन रहा। राज्य में धान्य का उत्पादन 18.73 लाख मी.टन रहा, जो देश के कुल उत्पादन का 0.72 प्रतिशत है। देश में दालों का उत्पादन 254.16 लाख मी.टन रहा। राज्य में कुल दालों का उत्पादन 0.48 लाख मी.टन रहा, जो देश के कुल उत्पादन का 0.19 प्रतिशत है। देश में कुल खाद्यान्न का उत्पादन 2850.14 लाख मी.टन रहा। राज्य में खाद्यान्न का उत्पादन 19.21 लाख मी.टन रहा, जो देश के कुल उत्पादन का 0.67 प्रतिशत है। देश में कुल तिलहन का उत्पादन 314.59 लाख मी.टन रहा। राज्य में फसल तिलहन का उत्पादन 0.26 लाख मी.टन रहा, जो देश के कुल उत्पादन का 0.08 प्रतिशत है।

देश एवं पर्वतीय प्रदेशों में उर्वरक खपत में उत्तराखण्ड की स्थिति

वर्ष 2017–18 में देश में कुल उर्वरक खपत 265.90 लाख टन रहा। राज्य में उर्वरक खपत 1.69 लाख टन रहा, जो देश के उर्वरक खपत का 0.64 प्रतिशत रहा। पर्वतीय राज्य जम्मू कश्मीर, असम, त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश, मणिपुर एवं नागालैण्ड़ में कुल उर्वरक खपत क्रमशः 1.35, 2.52, 0.16, 0.58, 0.21 एवं 0.03 लाख टन रहा, जबकि उत्तराखण्ड में उर्वरक खपत 1.69 लाख टन है। पर्वतीय राज्य में उर्वरक खपत में असम प्रथम, उत्तराखण्ड द्वितीय एवं जम्मू कश्मीर तृतीय स्थान पर है।

उत्तराखण्ड के कृषि आंकड़े

1. वर्षा

देश के अन्य प्रदेशों की भांति उत्तराखण्ड में भी 80% वर्षा मानसूनी वर्षा के रूप में प्राप्त होती है, ग्रीष्मकालीन वर्षा दक्षिण पश्चिम मानसून से तथा शीतकालीन वर्षा पश्चिमी विक्षोभों से प्राप्त होती है।

वर्ष 2016–17 में सामान्य से कम वर्षा हुई। वर्ष 2016–17 में वास्तविक वर्षा, सामान्य वर्षा से 79.80 प्रतिशत कम वर्षा हुई। वर्ष 2016–17 में जनपद रूद्रप्रयाग में सर्वाधिक वर्षा तथा जनपद पौड़ी गढ़वाल में न्यूनतम वर्षा हुई।

वर्ष 2017–18 में सामान्य से कम वर्ष हुई। वर्ष 2017–18 में वास्तविक वर्षा, सामान्य वर्षा से 80.78 प्रतिशत कम वर्षा हुई। वर्ष 2017–18 में जनपद देहरादून में सर्वाधिक वर्षा तथा जनपद चम्पावत में न्यूनतम वर्षा हुई।

वर्ष 2018–19 में सामान्य से कम वर्ष हुई। वर्ष 2018–19 में वास्तविक वर्षा, सामान्य वर्षा से 86.83 प्रतिशत कम वर्षा हुई। वर्ष 2018–19 में जनपद देहरादून में सर्वाधिक वर्षा तथा जनपद अल्मोड़ा में न्यूनतम वर्षा हुई।

राज्य स्तर पर वर्षा की स्थिति तालिका–2 में दी गयी है। प्रदेश के विभिन्न जनपदों में मासिक वास्तविक वर्षा का तुलनात्मक वर्षवार विश्लेषण निम्नवत किया गया है। (जनपदवार वर्षा के आंकड़े परिच्छेद–1 में दिये गये है)

वर्ष 2016–17

1.1 माह जून, 2016 में जनपद चमोली, हरिद्वार, रूद्रप्रयाग एवं बागेश्वर में सामान्य वर्षा से अधिक वर्षा हुई तथा बाकि जनपदों में सामान्य से कम वर्षा हुई। राज्य स्तर पर सामान्य से 86.37 प्रतिशत कम वर्षा हुई।

1.2 माह जुलाई, 2016 में जनपद चमोली, हरिद्वार, रूद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल, उत्तरकाशी, अल्मोड़ा, बागेश्वर, चम्पावत एवं नैनीताल सामान्य वर्षा से अधिक वर्षा हुई तथा बाकी जनपदों देहरादून, पौड़ी गढ़वाल, पिथौरागढ़ एवं उधमसिंहनगर में सामान्य वर्षा से कम वर्षा हुई। राज्य स्तर पर सामान्य से 119.23 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई।

1.3 माह अगस्त, 2016 में जनपद रूद्रप्रयाग में सामान्य वर्षा से अधिक वर्षा हुई तथा बाकी सभी जनपदों में सामान्य वर्षा से कम वर्षा हुई। राज्य स्तर पर सामान्य से 69.39 प्रतिशत कम वर्षा हुई।

1.4 माह सितम्बर, 2016 में सभी जनपदों सामान्य वर्षा से कम वर्षा हुई। जनपद नैनीताल एवं उधमसिंहनगर में वर्षा शून्य रही। राज्य स्तर पर सामान्य से 34.86 प्रतिशत कम वर्षा हुई।

1.5 माह अक्टूबर, 2016 में सभी जनपदों में सामान्य वर्षा से कम वर्षा हुई। जनपद पौड़ी गढ़वाल एवं उधमसिंहनगर में वर्षा शून्य रही। राज्य स्तर पर सामान्य से 20.57 प्रतिशत कम वर्षा हुई।

1.6 माह नवम्बर, 2016 में सभी जनपदों में वर्षा शून्य रही। राज्य स्तर पर सामान्य से 2.08 प्रतिशत कम वर्षा हुई।

1.7 माह दिसम्बर, 2016 में सभी जनपदों में सामान्य वर्षा से कम वर्षा हुई। जनपद हरिद्वार, बागेश्वर एवं उधमसिंहनगर में वर्षा शून्य रही। राज्य स्तर पर सामान्य से 21.14 प्रतिशत कम वर्षा हुई।

1.8 माह जनवरी, 2017 सभी जनपदों में सामान्य वर्षा से कम वर्षा हुई। जनपद देहरादून में वर्षा शून्य रही। राज्य स्तर पर सामान्य से 45.46 प्रतिशत कम वर्षा हुई।

1.9 माह फरवरी, 2017 में सभी जनपदों में सामान्य वर्षा से कम वर्षा हुई। जनपद देहरादून एवं बागेश्वर में वर्षा शून्य रही। राज्य स्तर पर सामान्य से 14.19 प्रतिशत कम वर्षा हुई।

1.10 माह मार्च, 2017 में जनपद रूद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, नैनीताल में सामान्य वर्षा से अधिक वर्षा हुई एवं जनपद देहरादून में वर्षा शून्य रही। जनपद चमोली, हरिद्वार, पौड़ी गढ़वाल, रूद्रप्रयाग, अल्मोड़ा, बागेश्वर, चम्पावत, पिथौरागढ़ एवं उधमसिंहनगर में सामान्य वर्षा से कम वर्षा हुई। राज्य स्तर पर सामान्य से 61.79 प्रतिशत कम वर्षा हुई।

1.11 माह अप्रैल, 2017 जनपद चमोली, हरिद्वार, रूद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल, उत्तरकाशी, बागेश्वर एवं पिथौरागढ़ सामान्य वर्षा से अधिक वर्षा हुई एवं देहरादून में वर्षा शून्य रही। जनपद पौड़ी गढ़वाल, अल्मोड़ा, चम्पावत, नैनीताल एवं उधमसिंहनगर में सामान्य वर्षा से कम वर्षा हुई। राज्य स्तर पर सामान्य से 140.02 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई।

1.12 माह मई, 2017 में जनपद चमोली, पौड़ी गढ़वाल, रूद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल, उत्तरकाशी, अल्मोड़ा, बागेश्वर, नैनीताल एवं पिथौरागढ़ मे सामान्य वर्षा से अधिक वर्षा हुई एवं जनपद हरिद्वार, चम्पावत एवं उधमसिंहनगर में सामान्य वर्षा से कम वर्षा हुई। जनपद देहरादून में वर्षा शून्य रही। राज्य स्तर पर सामान्य से 169.55 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई।

वर्ष 2017–18

1.13 माह जून, 2017 में जनपद चमोली, देहरादून, हरिद्वार, रूद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल, उत्तराकाशी, एवं नैनीताल में सामान्य से अधिक वर्षा हुई, जनपद पौड़ी गढ़वाल, अल्मोड़ा, बागेश्वर, चम्पावत, पिथौरागढ़ एवं उधमसिंहनगर में सामान्य से कम वर्षा हुई। राज्य स्तर पर सामान्य से 94.47 प्रतिशत कम वर्षा हुई।

1.14 माह जुलाई, 2017 में जनपद देहरादून, हरिद्वार, पौड़ी गढ़वाल, टिहरी, चम्पावत एवं उधमसिंहनगर में सामान्य वर्षा से कम वर्षा हुई तथा बाकी जनपदों में सामान्य वर्षा से अधिक वर्षा हुई। राज्य स्तर पर सामान्य से 98.63 प्रतिशत कम वर्षा हुई।

1.15 माह अगस्त, 2017 में जनपद हरिद्वार में सामान्य से अधिक वर्षा हुई, एवं बाकी अन्य जनपदों में सामान्य वर्षा से कम वर्षा हुई। राज्य स्तर पर सामान्य से 68.39 प्रतिशत कम वर्षा हुई।

1.16 माह सितम्बर, 2017 में जनपद हरिद्वार, रूद्रप्रयाग, अल्मोड़ा एवं नैनीताल में में सामान्य से अधिक वर्षा हुई तथा बाकि अन्य जनपदों में सामान्य वर्षा से कम वर्षा हुई। राज्य स्तर पर सामान्य से 99.58 प्रतिशत कम वर्षा हुई।

1.17 माह अक्टूबर, 2017 में जनपद अल्मोड़ा एवं पिथौरागढ़ में सामान्य वर्षा से कम वर्षा हुई बाकि सभी जनपदों में वर्षा शून्य रही। स्तर पर सामान्य से 2.12 प्रतिशत कम वर्षा हुई।

1.18 माह नवम्बर, 2017 में सभी जनपद चमोली एवं देहरादून में सामान्य वर्षा से कम वर्षा हुई, बाकि अन्य जनपदों में वर्षा शून्य राज्य स्तर पर सामान्य से 0.42 प्रतिशत कम वर्षा हुई।

1.19 माह दिसम्बर, 2017 में सभी जनपद देहरादून, रूद्रप्रयाग एवं उत्तरकाशी में सामान्य वर्षा से अधिक वर्षा हुई, बाकि अन्य जनपदों में सामान्य वर्षा से कम वर्षा हुई। जनपद नैनीताल में वर्षा शून्य रही। राज्य स्तर पर सामान्य से 67.24 प्रतिशत कम वर्षा हुई।

1.20 माह जनवरी, 2018 में सभी जनपदों में सामान्य से कम वर्षा हुई। राज्य स्तर पर सामान्य से 24.62 प्रतिशत कम वर्षा हुई।

1.21 माह फरवरी, 2018 सभी जनपदों में सामान्य से कम वर्षा हुई। राज्य स्तर पर सामान्य से 17.75 प्रतिशत कम वर्षा हुई।

1.22 माह मार्च, 2018 में सभी जनपदों में सामान्य वर्षा से कम वर्षा हुई। राज्य स्तर पर सामान्य से 41.16 प्रतिशत कम वर्षा हुई।

1.23 माह अप्रैल, 2018 में जनपद पौड़ी गढ़वाल एवं टिहरी गढ़वाल में सामान्य से कम वर्षा हुई, बाकि अन्य जनपदों में सामान्य वर्षा से अधिक वर्षा हुई। राज्य स्तर पर सामान्य से 180.85 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई।

1.24 माह मई, 2018 में जनपद देहरादून, रूद्रप्रयाग, उत्तरकाशी एवं पिथौरागढ़ में सामान्य से अधिक वर्षा हुई, जनपद चमोली में वर्षा शून्य रही तथा बाकी अन्य जनपदों में सामान्य से कम वर्षा हुई। राज्य स्तर पर सामान्य से 94.52 प्रतिशत कम वर्षा हुई।

वर्ष 2018–19

1.25 माह जून, 2018 में जनपद देहरादून एवं रूद्रप्रयाग में सामान्य से अधिक वर्षा हुई, बाकि अन्य जनपदों में साामन्य वर्षा से कम वर्षा हुई। राज्य स्तर पर सामान्य से 77.05 प्रतिशत कम वर्षा हुई।

1.26 माह जुलाई, 2018 में जनपद चमोली, रूद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, बागेश्वर एवं पिथौरागढ़ में सामान्य वर्षा से अधिक वर्षा हुई तथा बाकि अन्य जनपदों में सामान्य वर्षा से कम वर्षा हुई। राज्य स्तर पर सामान्य से 80.99 प्रतिशत कम वर्षा हुई।

1.27 माह अगस्त, 2018 में जनपद देहरादून, हरिद्वार, रूद्रप्रयाग, बागेश्वर, पिथौरागढ़ एवं उधमसिंहनगर में सामान्य से अधिक वर्षा हुई, एवं बाकी अन्य जनपदों में सामान्य वर्षा से कम वर्षा हुई। राज्य स्तर पर सामान्य से 97.10 प्रतिशत कम वर्षा हुई।

1.28 माह सितम्बर, 2018 में जनपद रूद्रप्रयाग, उत्तरकाशी एवं बागेश्वर में सामान्य वर्षा से अधिक वर्षा हुई तथा बाकि अन्य जनपदों में सामान्य वर्षा से कम वर्षा हुई। राज्य स्तर पर सामान्य से 87.08 प्रतिशत कम वर्षा हुई।

1.29 माह अक्टूबर, 2018 में सभी जनपदों में सामान्य वर्षा से कम वर्षा हुई, जनपद चम्पावत में वर्षा शून्य रही। स्तर पर सामान्य से 10.86 प्रतिशत कम वर्षा हुई।

1.30 माह नवम्बर, 2018 में जनपद चमोली, देहरादून, हरिद्वार, पौड़ी गढ़वाल, टिहरी गढ़वाल, रूद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, अल्मोड़ा, बागेश्वर, चम्पावत, नैनीताल एवं पिथौरागढ़ में सामान्य वर्षा से अधिक वर्षा हुई, जनपद उधमसिंहनगर में सामान्य वर्षा से कम वर्षा हुई। राज्य स्तर पर सामान्य से 214.85 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई।

1.31 माह दिसम्बर, 2018 में सभी जनपद चमोली, देहरादून, उत्तरकाशी, अल्मोड़ा, चम्पावत, नैनीताल एवं पिथौरागढ़ में सामान्य वर्षा से कम वर्षा हुई तथा जनपद हरिद्वार, पौड़ी गढ़वाल, टिहरी गढ़वाल, रूद्रप्रयाग, बागेश्वर उधमसिंहनगर में वर्षा शून्य रही। राज्य स्तर पर सामान्य से 4.14 प्रतिशत कम वर्षा हुई।

1.32 माह जनवरी, 2019 में जनपद देहरादून, हरिद्वार, रूद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल, उत्तरकाशी, बागेश्वर, नैनीताल एवं पिथौरागढ़ में सामान्य वर्षा से अधिक वर्षा हुई, जनपद चमोली, पौड़ी गढ़वाल, अल्मोडा एवं उधमसिंहनगर में सामान्य वर्षा से कम वर्षा हुई। राज्य स्तर पर सामान्य से 118.49 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई।

1.33 माह फरवरी, 2019 जनपद उधमसिंहनगर में सामान्य वर्षा से कम वर्षा हुई, बाकि अन्य जनपदों में सामान्य वर्षा से अधिक वर्षा हुई। राज्य स्तर पर सामान्य से 167.51 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई।

1.34 माह मार्च, 2019 में जनपद नैनीताल में सामान्य वर्षा से अधिक वर्षा हुई, जनपद देहरादून में वर्षा शून्य रही एवं बाकि अन्य जनपदों में सामान्य वर्षा से कम वर्षा हुई। राज्य स्तर पर सामान्य से 48.46 प्रतिशत कम वर्षा हुई।

1.35 माह अप्रैल, 2019 में जनपद हरिद्वार, रूद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल, बागेश्वर एवं पिथौरागढ़ में सामान्य वर्षा से अधिक वर्षा हुई, बाकि अन्य जनपदों में सामान्य वर्षा से कम वर्षा हुई तथा जनपद देहरादून में वर्षा शून्य रही। राज्य स्तर पर सामान्य से 115.85 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई।

1.36 माह मई, 2019 में जनपद चमोली, हरिद्वार, पौड़ी गढ़वाल, रूद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल, उत्तरकाशी, अल्मोड़ा, बागेश्वर, चम्पावत, नैनीताल, पिथौरागढ़ एवं उधमसिंहनगर में सामान्य से कम वर्षा हुई। जनपद देहरादून में वर्षा शून्य रही। राज्य स्तर पर सामान्य से 40.92 प्रतिशत कम वर्षा हुई।

2. राज्य स्तर पर वर्षा की स्थिति

2.1 राज्य स्तर पर 2016–17 की सामान्य वर्षा तथा वास्तविक वर्षा की स्थिति निम्नवत हैः–

वर्षः 2016–17 **वर्षा–मि.मी. में**

Ø-l-	ekg dk uke	lkekU; o"kk	okLrfod o"kk	ifr'kr
1.	जून	172.97	149.40	86.37
2.	जुलाई	419.38	500.01	119.23
3.	अगस्त	417.42	289.63	69.39
4.	सितम्बर	201.68	70.30	34.86
5.	अक्टूबर	34.98	7.19	20.55
6.	नवम्बर	6.78	0.00	0.00
7.	दिसम्बर	21.42	4.53	21.15
8.	जनवरी	51.97	23.63	45.47
9.	फरवरी	59.89	8.50	14.19
10.	मार्च	43.52	26.89	61.79
11.	अप्रैल	28.52	39.93	140.01
12.	मई	49.00	83.08	169.55
	योग	**1507.54**	**1203.08**	79.80

स्रोत– राजस्व परिषद।

2.2 राज्य स्तर पर 2017–18 की सामान्य वर्षा तथा वास्तविक वर्षा की स्थिति निम्नवत हैः–

वर्षः 2017–18 **वर्षा–मि.मी. में**

Ø-l-	ekg dk uke	lkekU; o"kk	okLrfod o"kk	ifr'kr
1.	जून	172.97	163.40	94.47
2.	जुलाई	419.38	413.65	98.63
3.	अगस्त	417.42	285.47	68.39
4.	सितम्बर	201.68	200.83	99.58
5.	अक्टूबर	34.98	0.74	2.12
6.	नवम्बर	6.78	0.03	0.44
7.	दिसम्बर	21.42	14.41	67.27
8.	जनवरी	51.97	12.79	24.61
9.	फरवरी	59.89	10.63	17.75
10.	मार्च	43.52	17.92	41.18
11.	अप्रैल	28.52	51.57	180.82
12.	मई	49.00	46.32	94.53
	योग	**1507.54**	**1217.75**	**80.78**

स्रोत– राजस्व परिषद।

2.3 राज्य स्तर पर 2018–19 की सामान्य वर्षा तथा वास्तविक वर्षा की स्थिति निम्नवत हैः–

वर्षः 2018–19 **वर्षा–मि.मी. में**

Ø-l-	ekg dk uke	lkekU; o"kk	okLrfod o"kk	ifr'kr
1.	जून	172.97	133.28	77.05
2.	जुलाई	419.38	339.66	80.99
3.	अगस्तृ	417.42	405.30	97.10
4.	सितम्बर	201.68	175.62	87.08
5.	अक्टूबर	34.98	3.80	10.86
6.	नवम्बर	6.78	14.58	215.04
7.	दिसम्बर	21.42	0.89	4.15
8.	जनवरी	51.97	61.58	118.49
9.	फरवरी	59.89	100.33	167.52
10.	मार्च	43.52	21.09	48.46
11.	अप्रैल	28.52	32.79	114.97
12.	मई	49.00	20.05	40.92
योग		**1507.54**	**1308.96**	**86.83**

स्रोत– राजस्व परिषद।

3. बाढ़ एवं सूखे का प्रकोप

प्रदेश स्तर पर वर्ष 2018–19 में मौसम खरीफ में वर्षा/अतिवृष्टि से 64.88 हेक्टेयर कृषि क्षेत्रफल प्रभावित हुआ एवं मौसम रबी में कोई क्षति नही हुई। जनपदवार प्रभावित कृषि क्षेत्रफल का विवरण निम्नानुसार हैः–

क्र. सं.	जनपद	प्रभावित कृषि क्षेत्रफल (हे.में)	मूल्य (क्षति) (लाख रूपये में)
1.	चमोली	16.68	5.10
2.	देहरादून	3.00	1.20
3.	हरिद्वार	0.00	0.00
4.	पौड़ी गढ़वाल	0.00	0.00
5.	रूद्रप्रयाग	14.80	4.20
6.	टिहरी गढ़वाल	0.00	0.00
7.	उत्तरकाशी	15.24	3.75
8.	अल्मोड़ा	0.00	0.00
9.	बागेश्वर	15.16	4.50
10.	चम्पावत	0.00	0.00
11.	नैनीताल	0.00	0.00
12.	पिथौरगढ़	0.00	0.00
13.	उधमसिंहनगर	0.00	0.00
योग		**16.88**	**18.75**